राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,शनिवार, 16 मई 2026
वर्ष 14,अंक 37, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खैराबाद में पवन सिंह ने फिर फहराया विजय पताका...03

IPL के इतिहास में विराट कोहली का धमाका, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जड़ा ऐतिहासिक शतक...04

PM मोदी की अपील का असर, P-MP समेत कई राज्यों ने छोटे किए काफिले; WFH-EV कार और साइकिलिंग को बढ़ावा

मध्य पूर्व एशिया में बने तनाव और उससे बिगड़े हालात के बीच पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण करने की अपील का असर दिखने लगा है. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, त्रिपुरा और दिल्ली समेत कई राज्यों ने पेट्रोलियम पदार्थों के संरक्षण को लेकर कई फैसले लिए हैं. कई मुख्यमंत्रियों ने अपनी गाड़ियों के काफिले को काफी हद तक छोटा कर दिया है तो कई राज्यों में अपने यहां वर्क फ्रॉम होम को लागू कर दिया गया है तो मुख्यमंत्री- उपमुख्यमंत्री और मंत्री लोग साइकिल, बाइक, रिक्शा या फिर पैदल ही अपने-अपने ऑफिस जाने लगे हैं. दिल्ली ने तो अपने यहां 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान शुरू कर दिया है.

UP: हफ्ते में 2 दिन ड्ढस्न॥ की व्यवस्था

संरक्षण की अपील पर काम करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने राज्य को लेकर कई बड़े फैसले लिए हैं. प्रदेश सरकार की ओर से बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में 'वर्क फ्रॉम होम' (WFH) की संस्कृति को भी प्राथमिकता देने की अपील की. साथ ही उन्होंने कहा कि जिन संस्थानों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं, उन्हें हफ्ते में 2 दिन WFH की अनुशंसा के लिए राज्य स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाए. इसके अलावा राज्य सचिवालय या निदेशालय की 50 फीसदी इंटरनल मीटिंग भी वर्चुअली की जाएं.साथ ही मुख्यमंत्री ने खुद मुख्यमंत्री और अपने मंत्रियों आदि की फ्लीट में तत्काल प्रभाव से 50 फीसदी की कमी करने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधि हफ्ते में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें. इसके अलावा सार्वजनिक परिवहन, साइकिलिंग, कार पूलिंग और ईवी के प्रयोग को बढ़ावा दिया

जाए.

दिल्ली: पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अभियान

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीएम की अपील के बाद पेट्रोल और डीजल बचाने से जुड़े मेरा भारत मेरा योगदान अभियान शुरू कर दिया है. इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी हफ्ते में 2 दिन घर से काम करेंगे. साथ ही उन्होंने राजधान के हर लोगों से हफ्ते में एक दिन अपने निजी गाड़ियों का इस्तेमाल न करने की भी अपील की. दिल्ली के मंत्री परवेश वर्मा साइकिल से NDMC की बैठक में पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा भारत मेरा योगदान अभियान को लेकर पूरी दिल्ली में 90 दिनों तक जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा. इसके तहत स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, आरडब्ल्यूए, महिला समूहों, संस्थानों और कंपनियों में अलग-अलग तरह की शपथ दिलाई जाएंगी. उन्होंने पोस्ट कर कहा, 'हमारी सरकार विभागीय कामकाज के लिए सीमित संख्या में गाड़ियों का इस्तेमाल करेगी. मैं और मेरे सभी कैबिनेट सहयोगी, बीजेपी के सभी विधायक, जनप्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के अधिकारी एवं सभी विभाग भी आवश्यकता के अनुरूप न्यूनतम गाड़ियों का उपयोग करेंगे. सभी लोग कार पूल और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देंगे. '

MP: कोई वाहन रैली नहीं निकलेगी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर मध्य प्रदेश राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए संकल्पित है. अगले आदेश तक मेरे कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से कम से कम गाड़ियां होंगी और भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्रीगण भी यात्रा के समय कम से कम गाड़ियों का उपयोग करेंगे. साथ ही, नवनियुक्त निगम-मंडल पदाधिकारी सादगी से कार्यभार ग्रहण करेंगे. ऐसे में प्रदेश से भी अनुरोध है कि वे सार्वजनिक परिवहन को अपनाएं क्योंकि राष्ट्रहित सर्वोपरि ही है.

राजस्थान: अनावश्यक यात्रा करने से बचें

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपील के बाद निर्देश दिया कि काफिले में चलने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल कम से कम किया जाए और अनावश्यक गाड़ियों का उपयोग न किया जाए, विशेष रूप से सुरक्षा के मकसद से. सीएम सरमा ने मुख्य सचिव सहित सभी अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को भी इसी तरह के तरीकों को अपनाने का निर्देश दिया है. इन कोशिश का मुख्य मकसद अनावश्यक यात्राओं से बचकर ईंधन की खपत को कम करना और पेट्रोल तथा डीजल का अधिक किफायती इस्तेमाल करना है।

महाराष्ट्र: विमान से जाने से पहले अनुमति

महाराष्ट्र में भी पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण का अभियान शुरू हो गया है. महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे सरकारी यात्राओं के लिए विमान का इस्तेमाल करने से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पहले से मंजूरी लें. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पहले ही कहा है कि अब मंत्रियों को सरकारी काम के लिए हवाई यात्रा करने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) से मंजूरी लेनी होगी, सिवाय उन मामलों के जो बहुत ज्यादा जरूरी हों. बावनकुले ने कहा, 'मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिया है कि मंत्री उनकी पहले से मंजूरी लिए बिना विमान का इस्तेमाल नहीं कर सकते. अगर मुझे कहीं बहुत जरूरी काम से जाना होता है, तो मैं विमान का इस्तेमाल करता हूं. मैं साल में सिर्फ चार या पांच बार ही जरूरी काम के लिए हवाई यात्रा करता हूं.' उन्होंने यह भी साफ किया कि फडणवीस खुद अपने बहुत व्यस्त प्रशासनिक कार्यक्रम की वजह से विमान का इस्तेमाल करते रहेंगे. खुद फडणवीस भी कल बाइक से ऑफिस पहुंचे थे.

गुजरात: राज्यपाल करेंगे ट्रेन- बस से यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी की अपील के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने ईंधन बचाने और टिकाऊ जीवन शैली की दिशा में अहम कदम उठाया. राज्यपाल ने ऐलान किया कि वे गुजरात के भीतर यात्रा करने के लिए हेलीकॉप्टर और हवाई जहाजों की जगह ट्रेनों, ST बसों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करेंगे, और साथ ही ईंधन बचाने के लिए अपने आधिकारिक काफिले का आकार भी छोटा करेंगे.

धार भोजशाला में मां सरस्वती का मंदिर, मुस्लिम पक्ष के लिए अलग जमीन... जानें हाई कोर्ट के फैसले में क्या-क्या खास

मध्य प्रदेश के सबसे संवेदनशील और ऐतिहासिक धार भोजशाला विवाद पर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने शुक्रवार को 'महा-फैसला' सुना दिया. जस्टिस विजय शुक्ला की सिंगल बेंच ने याचिकाओं पर अंतिम आदेश सुनाते हुए यह साफ कर दिया है कि भोजशाला भवन का धार्मिक चरित्र 'मां वाग्देवी सरस्वती जी' के मंदिर का है. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 6 अप्रैल 2026 से इस मामले की लगातार सुनवाई चल रही थी. कोर्ट ने विधिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पक्षों का परीक्षण करने के बाद यह ऑर्डर पास किया है. महाधिवक्ता कार्यालय के माध्यम से कोर्ट में सरकार का पक्ष बेहद मजबूती से रखा गया. सरकार के प्रतिनिधि हाई कोर्ट के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इस ऐतिहासिक फैसले को किसी की 'जीत या हार' के चश्मे से नहीं देखती. हमारी सबसे बड़ी चिंता धार में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने की थी. उन्होंने कहा कि सालों से वहां भारी पुलिस फोर्स तैनात करनी पड़ती थी. तनाव के कारण पहले कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं, कुछ लोगों की जानें गईं और पुलिसकर्मी भी घायल हुए. अब प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल मजबूत होगा और मध्य प्रदेश विकास के पथ पर दौड़ेगा.

6 अप्रैल 2026 से लगातार सुनवाई चल रही थी सुनवाई

उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के समक्ष दायर की गई थीं सभी पक्षों ने अपनी-अपनी धार्मिक आस्थाओं और मान्यताओं के आधार पर अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण की मांग की थी तथा वहां धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने की प्रार्थना की थी. इस मामले में पूर्व में ही उच्च न्यायालय ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया स्ठ्ढ को पूरे परिसर का विशेषज्ञों के माध्यम से सर्वे कराने के निर्देश दिए थे. सर्वे रिपोर्ट रिकॉर्ड पर आई, जिसकी फाईंडिंग्स का न्यायालय ने विस्तृत परीक्षण किया. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत 6 अप्रैल 2026 से इस मामले की लगातार सुनवाई चल रही थी. सभी पक्षों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने-अपने तर्क न्यायालय के समक्ष रखे. आज न्यायाधीश विजय शुक्ला ने आदेश का प्रासंगिक हिस्सा पढ़कर सुनाया. न्यायालय ने माना कि भोजशाला भवन एक पुरातात्विक एवं संरक्षित स्मारक है, जिसे rchaeological Sites

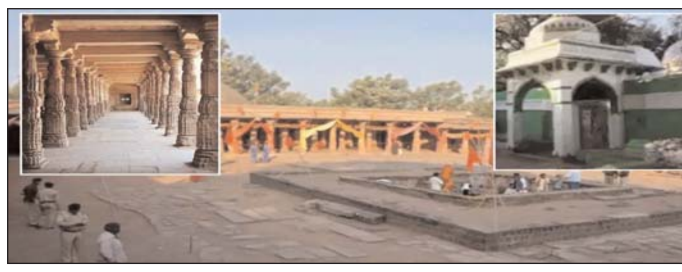

and Remains Act, 1958 के तहत संरक्षित माना गया है. साथ ही न्यायालय ने सर्वे रिपोर्ट, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, विधिक और संवैधानिक पक्षों का परीक्षण करते हुए यह फाईंडिंग दी कि भोजशाला भवन का धार्मिक चरित्र मां वाग्देवी सरस्वती जी के मंदिर का है.

फैसले के बाद सरकार ने कही ये बात

न्यायालय ने दूसरे पक्ष के लिए भी व्यवस्था दी है कि यदि वे अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप किसी धार्मिक भवन के निर्माण हेतु भूमि आवंटन चाहते हैं, तो राज्य सरकार के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिस पर विधिसम्मत निर्णय लिया जाएगा. इसके अलावा, मां वाग्देवी सरस्वती की लंदन के संग्रहालय में रखी प्रतिमा को वापस भारत लाने संबंधी अभ्यावेदन पर भी न्यायालय ने कहा कि मामला केंद्र सरकार के विचाराधीन है और इस पर वैधानिक निर्णय लिया जाएगा. राज्य शासन की ओर से कहा गया कि सरकार इस निर्णय को जीत या हार के रूप में नहीं देखती, बल्कि प्रदेश में शांति, सौहार्द और सामंजस्य बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है. लंबे समय से वहां भारी पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ती थी और कई बार तनावपूर्ण स्थितियां भी बनीं. सरकार का मानना है कि इस निर्णय से प्रदेश में सामाजिक समरसता मजबूत होगी और विकास का वातावरण बेहतर बनेगा. वहीं यदि किसी पक्ष को निर्णय से असहमति है, तो संविधान के तहत उन्हें सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार है, जहां राज्य शासन भी अपना पक्ष रखेगा.

फैसले के ये हैं सबसे बड़े पॉइंट्स

'मां वाग्देवी का मंदिर' है भोजशाला : हाई कोर्ट ने साफ तौर पर माना कि ऐतिहासिक भोजशाला का धार्मिक स्वरूप मां वाग्देवी सरस्वती का मंदिर है. 1904 से संरक्षित स्मारक : कोर्ट ने कहा कि भोजशाला एक पुरातात्विक भवन है, जो 'Ancient Monuments Preservation Act' और 'Archaeological Sites and Remains Act, 1958' के तहत 1904 से संरक्षित स्मारक है. लंदन से आएगी वाग्देवी की मूर्ति? : मां वाग्देवी की जो मूल प्रतिमा लंदन के म्यूजियम में है, उसे वापस भारत लाने की मांग पर कोर्ट ने कहा कि यह रिप्रेजेंटेशन केंद्र सरकार के पास पेंडिंग है और केंद्र इस पर कानून के मुताबिक फैसला लेगा. मुस्लिम पक्ष के लिए जमीन की व्यवस्था : कोर्ट ने कहा कि अगर दूसरा पक्ष अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए कोई धार्मिक भवन बनाना चाहता है, तो वे जमीन अलॉटमेंट के लिए MP सरकार को एप्लिकेशन दे सकते हैं सरकार कानून के दायरे में फैसला करेगी.

ASI की 'सीक्रेट' सर्वे रिपोर्ट में क्या-क्या मिला?

हाई कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया स्ठ्ढ की कई वॉल्यूम्स की उस वैज्ञानिक रिपोर्ट पर आधारित है, जिसे कोर्ट रूम में परखा गया. सर्वे की बड़ी बातें: परिसर के अंदर भगवान विष्णु सहित विभिन्न देवी-देवताओं की प्राचीन मूर्तियां मिली हैं. भवन के स्ट्रक्चर में अष्टकमल की आकृति पाई गई है. प्राकृत और संस्कृत भाषा में लिखे कई दुर्लभ शिलालेख मिले हैं, ये सभी साक्ष्य सीधे तौर पर सनातन परंपरा और मान्यताओं से जुड़े हुए हैं. सरकार ने साफ कर दिया है कि संविधान में ऊपरी अदालत में चुनौती देने की पूरी व्यवस्था है. अगर मुस्लिम पक्ष या कोई भी पक्षकार इस फैसले के खिलाफ माननीय सुप्रीम कोर्ट जाता है, तो मध्य प्रदेश सरकार वहां भी मजबूती से खड़ी रहेगी और देश की सबसे बड़ी अदालत को पूरी विधिक सहायता देगी. अभी हाई कोर्ट का विस्तृत लिखित आदेश अपलोड होना बाकी है, जिसके बाद हर एक कानूनी पहलू की बारीकी से समीक्षा की जाएगी.

संक्षिप्त ख़बरें

UAE में बोले PM मोदी- पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत हर संभव सहयोग देने को तैयार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ शुक्रवार को बातचीत की और इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी और अल नाहयान की मुलाकात मोदी के पांच देशों के दौरे के पहले चरण में यूएई पहुंचने के तत्काल बाद हुई। संयुक्त अरब अमीरात के नेता के साथ बैठक की शुरुआत में मोदी ने कहा कि हमने संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की निंदा की। संयुक्त अरब अमीरात ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी-इजरायल युद्ध के दौरान ईरानी हमलों का शिकार हुआ है। यहां अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है। मोदी ने कहा, ''यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह अस्वीकार्य है लेकिन यूएई ने जिस तरह से संयम रखते हुए मौजूदा स्थिति को संभाला है वह प्रशंसनीय है।'' प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पश्चिम एशियाई संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए हर संभव सहयोग करने को तैयार है।'' प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर यूएई के राष्ट्रपति ने स्वागत किया, जो मोदी की यात्रा को यूएई द्वारा दिए जा रहे महत्व को दर्शाता है। मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट कहा, ''अबू धाबी हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए मैं अपने भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का आभार व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने कहा, '' मैं ऊर्जा, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत और यूएई के बीच संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से होने वाली हमारी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं।'

अमेरिका से जंग, होर्मुज और ईरान-भारत संबंध जानें किस मुद्दे पर क्या बोले अब्बास अराघची

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भारत दौरे पर हैं. यहां उन्होंने अमेरिका के साथ जंग और ईरान-भारत संबंधों पर के साथ कई अहम मुद्दों पर बात की. भारत-ईरान संबंधों पर अराघची ने कहा कि ईरान और भारत 2 प्राचीन सभ्यताएं हैं. दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध रहे हैं. दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ साझा मूल्यों का आदान-प्रदान किया है. हमारे आर्थिक-राजनीतिक संबंध और सहयोग बहुत मजबूत हैं. ये संबंध आपसी सम्मान और हितों पर आधारित हैं. होर्मुज सभी मित्र देशों के लिए खुला है. इस दौरान उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर हमला भी किया. ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, मेरा देश आक्रामकता का शिकार रहा है. हमें अमेरिकियों पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है. इसके लिए हमारे पास हर कारण हैं लेकिन अमेरिका के पास हम पर भरोसा न करने का कोई कारण नहीं है. हम किसी भी तरह के प्रतिबंधों के भी खिलाफ हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार और उन सभी देशों की सराहना करते हैं, जिन्होंने हमारे साथ एकजुटता दिखाई. फिलहाल हम युद्धविराम की स्थिति में हैं. इन मुद्दों का कोई भी सैन्य समाधान संभव नहीं

है.

US गंभीरता दिखाता है तो तेहरान बातचीत के लिए तैयार

अब्बास अराघची ने बातचीत को पेचीदा बनाने के लिए अमेरिका के विरोधाभासी संदेशों को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि सबसे अहम चीज है यकीन. हर चीज को क्लियर किया जाना चाहिए. रही बात अमेरिका की तो उसने अपने किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं किया है. बातचीत की टेबल पर उन्हें कोई भी सफलता नहीं मिली है. अगर वाशिंगटन गंभीरता दिखाता है तो तेहरान बातचीत के लिए तैयार है. उन्होंने कहा कि पिछली कूटनीतिक कोशिशों के बाद अब ईरान को अमेरिका पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं रहा है. हम बातचीत में तभी रुचि रखते हैं, जब दूसरा पक्ष भी गंभीर हो. भारत और श्व के संबंधों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत के संबंध तो कई देशों के साथ हैं. हमारे लिए जो बात सबसे ज़्यादा मायने रखती है, वह है भारत के साथ हमारे अच्छे संबंध.

जयशंकर के साथ बहुत अच्छे व्यक्तिगत और कामकाजी संबंध

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कूटनीति को मौका देने के लिए हम सीजफायर को बनाए रखे हुए हैं, भले ही यह कितना भी नाजुक क्यों न हो. उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका को अब किसी भी सैन्य समाधान की कोई उम्मीद नहीं रह गई है. यही कारण है कि उसने बातचीत का प्रस्ताव रखा है. मैं भारत सरकार और अपने बहुत अच्छे मित्र विदेश मंत्री जयशंकर द्वारा मुझे और मेरे प्रतिनिधिमंडल को दिए गए गर्मजोशी भरे आतिथ्य की सराहना करता हूं. उन्होंने कहा कि जयशंकर के साथ मेरे बहुत अच्छे व्यक्तिगत और कामकाजी संबंध हैं. पिछले दो महीनों के दौरान, जब युद्ध चल रहा था तब भी हम लगातार एक-दूसरे के संपर्क में थे. हम भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत अधिक महत्व देते हैं. होर्मुज सभी मित्र देशों के लिए खुला है. जैसे ही अमेरिका की आक्रामकता खत्म होगी, हालात सामान्य हो जाएंगे और होर्मुज से सभी जहाजों के सुरक्षित गुजरने के लिए जरूरी व्यवस्थाएं कर दी जाएंगी.

झारखंड में दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आने से 3 बाइक सवारों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में शुक्रवार शाम एक दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे, तभी चक्रधरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चक्रधरपुर-सोनुआ सड़क पर एक निजी स्कूल के पास एक बस को ओवरटेक करने की कोशिश करते समय मोटरसाइकिल चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया। उन्होंने बताया

कि मोटरसाइकिल तेज रफ्तार बस के नीचे आ गयी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को चक्रधरपुर स्थित उपमंडल अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

टीएमसी के पूर्व मंत्री रथीन घोष से ED की पूछताछ, नगरपालिका भर्ती घोटाले में हैं ये आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टीएमसी के पूर्व मंत्री रथीन घोष से शुक्रवार को ईडी ने नगर पालिका भर्ती घोटाले में पूछताछ की. अब जांच एजेंसी ने उन्हें 10 दिन बाद फिर पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया है. ईडी ने आज साल्टलेक स्थित CGO काम्प्लेक्स में पूछताछ के लिए बुलाया था. इस घोटाले में TMC के पूर्व मंत्री सुजीत बोस की हाल में गिरफ्तारी हुई थी. हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रथीन घोष ने मध्यमग्राम से जीत हासिल की. ईडी ने इस मामले में रथीन घोष और सुजीत बोस के ठिकानों पर कई बार रेड की थी. आरोप है कि 2014 से 2018 के बीच पश्चिम बंगाल की विभिन्न नगर पालिकाओं में सफाईकर्मी, क्लर्क, ड्राइवर और अन्य ग्रुप-डी के पदों पर नियुक्तियों के लिए ओएमआर (OMR) शीट में हेरफेर की गई. इतना ही

नहीं रिश्वत लेकर अयोग्य उम्मीदवारों को नौकरी दी गई.

रथीन घोष पर क्या आरोप?

घोष उत्तर 24 परगना राज्य के मध्यग्राम नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष हैं. उन पर अयोग्य उम्मीदवारों को रिश्वत के बदले भर्ती कराने के घोटाले में संलिप्त होने का आरोप है. ईडी के सूत्रों के अनुसार, घोष का नाम तब सामने आया जब उसने राज्य की विभिन्न नगरपालिकाओं द्वारा भर्ती प्रक्रिया संचालित करने के लिए नियुक्त एक एजेंसी से आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए. इनसे 2014 और 2018 के दौरान मध्यग्राम नगरपालिका में भर्ती प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण अनियमितताओं का खुलासा हुआ.

पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी

इसी महीने ईडी ने इस मामले में टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को गिरफ्तार किया. उन पर साउथ दमदम नगर पालिका में 150 उम्मीदवारों की अवैध सिफारिश करने और बदले में पैसे व फ्लैट लेने का आरोप है.

अन्य आरोपी- इस घोटाले में एक बिचौलिया आयन सील का नाम भी सामने आया है, जिसकी कंपनी को नगर पालिकाओं में भर्ती प्रक्रिया का जिम्मा दिया गया था. पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष भी ईडी के रडार पर हैं. ईडी ने दावा किया है कि इस घोटाले में 3 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई है और यह घोटाला शिक्षा भर्ती घोटाले से जुड़ा हुआ है.

संतकबीरनगर मदरसा ध्वस्तीकरण मामले में हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, डीएम-कमिश्नर के आदेश रद्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संतकबीरनगर में ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान के मदरसे पर हुई बुलडोजर कार्रवाई के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन को बड़ा झटका दिया है. हाईकोर्ट ने बस्ती मंडल के कमिश्नर और संतकबीरनगर के डीएम द्वारा जारी मदरसा ध्वस्तीकरण और जमीन को सरकारी घोषित करने के आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया. कोर्ट ने साफ कहा कि किसी जमीन को सरकारी घोषित करने का अधिकार केवल एसडीएम कोर्ट के पास है, जबकि इस मामले में डीएम और मंडलायुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश पारित किए. हाईकोर्ट ने 14 नवंबर 2025 को संतकबीरनगर डीएम द्वारा मदरसे की जमीन को स्टेट लैंड घोषित करने के आदेश को भी निरस्त कर दिया. साथ ही बस्ती मंडलायुक्त द्वारा निगरानी अपील खारिज करने के आदेश को भी रद्द कर दिया गया.

मदरसा कमेटी ने हाई कोर्ट में दायर की थी याचिका

मदरसा कमेटी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि बिना उचित नोटिस दिए प्रशासन ने मदरसे पर बुलडोजर कार्रवाई की. सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताई और ध्वस्तीकरण की पूरी कार्रवाई को प्रथम दृष्टया अवैध बताया. मदरसा कमेटी ने ध्वस्तीकरण के लिए मुआवजे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की है. दरअसल, खलीलाबाद गांव निवासी अब्दुल हकीम ने वर्ष 2024 में एसडीएम कोर्ट में मदरसे के अवैध निर्माण की शिकायत दर्ज कराई थी. इसके बाद नवंबर 2025 में एसडीएम कोर्ट ने ध्वस्तीकरण का आदेश जारी करते हुए 15 दिन का समय दिया था. मदरसा कमेटी ने इस आदेश को डीएम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली. बाद में मामला बस्ती मंडलायुक्त के पास पहुंचा, जहां 25 अप्रैल 2026 को अपील खारिज कर दी गई और एसडीएम कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा गया.

मदरसे पर बुलडोजर कार्रवाई

इसके बाद 25 और 26 अप्रैल को प्रशासन ने मदरसे पर बुलडोजर कार्रवाई की. करीब 13 घंटे चली कार्रवाई में मदरसे की बाउंड्री वॉल, 10 से अधिक पिलर और कई हिस्सों को तोड़ दिया गया. अगले दिन दो पोकलेन मशीनों और पांच बुलडोजरों के साथ कार्रवाई फिर शुरू हुई, लेकिन तकनीकी खराबी और मजबूत पिलरों की वजह से अभियान रोकना पड़ा. कार्रवाई के दौरान 30 महिला पुलिसकर्मियों समेत करीब 100 पुलिसकर्मी और PAC की दो कंपनियां मौके पर तैनात थींय बाद में 27 अप्रैल को हाईकोर्ट ने मदरसे पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी.

नीट पेपर लीक विवाद और टूटता परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा

देश में हर साल करोड़ों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई सरकारी अधिकारी। इन परीक्षाओं के साथ केवल अंक नहीं जुड़े होते, बल्कि परिवारों की उम्मीदें, कई वर्षों की मेहनत और भविष्य की दिशा भी जुड़ी होती है। यही कारण है कि जब किसी बड़ी परीक्षा में पेपर लीक होने की खबर आती है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। हाल के वर्षों में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर जो विवाद सामने आए, उन्होंने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया। फिजिक्स वाला के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलख पांडे ने दावा किया कि बच्चों से लगातार ऐसी बातें सुनने को मिल रही थीं कि 50,000 रुपये में पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। बाद में अलग अलग जांचों और मीडिया रिपोर्टों में इससे भी बड़े दावों की चर्चा हुई। कुछ जगहों पर कथित तौर पर 10 लाख से 25 लाख रुपये तक में प्रश्नपत्र बेचे जाने की बात सामने आई। बिहार पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी कहा गया कि कुछ अभ्यर्थियों से 30 लाख से 50 लाख रुपये तक लिए गए। यह पूरा मामला केवल एक परीक्षा का विवाद नहीं रहा, बल्कि इसने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों की इतनी कड़ी जांच होती है तो फिर प्रश्नपत्र लीक कैसे हो जाता है। परीक्षा देने पहुंचे छात्र को कई स्तरों की जांच से गुजरना पड़ता है। प्रवेश पत्र की जांच होती है। पहचान पत्र मिलाया जाता है। बायोमेट्रिक सत्यापन होता है। मेटल डिटेक्टर से जांच होती है। जूते तक उतरवाए जाते हैं। लड़कियों के हेयर क्लिप और लड़कों की बेल्ट तक जांची जाती है। कई जगहों पर पानी की बोतल तक पारदर्शी रखने की शर्त होती है। छात्रों को घड़ी, मोबाइल, ब्लूटूथ, पेन ड्राइव जैसी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं होती। इतनी सख्ती के बाद भी यदि पेपर लीक हो जाता है तो इसका अर्थ साफ है कि समस्या परीक्षा केंद्र के बाहर कम और व्यवस्था के भीतर ज्यादा है। असली कमजोरी वहां है जहां प्रश्नपत्र तैयार होता है, छपता है, पैक होता है, भेजा जाता है और परीक्षा शुरू होने तक सुरक्षित रखा जाता है।

एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है। सबसे पहले विशेषज्ञों की टीम प्रश्न तैयार करती है। फिर उनका चयन और संपादन होता है। उसके बाद अंतिम प्रश्नपत्र तैयार किया जाता है। फिर उसे गोपनीय तरीके से छपाई केंद्र तक भेजा जाता है। वहां प्रिंटिंग होती है। इसके बाद पैकेजिंग और सीलिंग होती है। फिर अलग अलग राज्यों और जिलों तक ट्रांसपोर्ट के जरिए पहुंचाया जाता है। परीक्षा केंद्रों में इन्हें मजबूत कमरों में रखा जाता है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सील खोली जाती है। यही पूरी यात्रा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दौरान यदि किसी एक चरण में भी मिलीभगत हो जाए तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था बेकार हो जाती है। समस्या यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। प्रश्नपत्र बनाने वाले विशेषज्ञ, तकनीकी कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी, ट्रांसपोर्ट एजेंसियां, प्रशासनिक अधिकारी, केंद्र अधीक्षक, गोदाम कर्मचारी और कई अन्य लोग। जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, उतना अधिक रिसाव का खतरा रहेगा।

नीट मामले में अलग अलग प्रकार के दावे सामने आए। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि परीक्षा से पहले कुछ कोचिंग संस्थानों द्वारा बांटे गए प्रश्नों का बड़ा हिस्सा असली पेपर से मेल खा रहा था। कुछ जगहों पर टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया समूहों में प्रश्नपत्र बिकने की चर्चा हुई। कुछ गिरफ्तारियों में ऐसे लोगों का नाम सामने आया जो खुद छात्र थे या काउंसलिंग से जुड़े काम करते थे। बिहार और अन्य राज्यों में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में जांच केंद्रीय एजेंसी तक पहुंची। इस पूरे विवाद में एक और बात ने छात्रों को परेशान किया। लाखों छात्रों के बीच अचानक असामान्य रूप से अधिक टॉपर सामने आए।

कुछ छात्रों को 718 और 719 जैसे अंक मिले, जिसने लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि परीक्षा के अंकन पैटर्न में ऐसे अंक सामान्य रूप से संभव नहीं माने जाते। बाद में ग्रेस मार्क्स को लेकर भी विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा। अदालत ने परीक्षा की पवित्रता पर सवाल उठाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जवाब मांगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी कहा कि पूरे देश में बड़े स्तर पर लीक के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे लीक सीमित स्तर पर हुआ हो या बड़े स्तर पर, भरोसा एक बार टूट जाए तो उसे वापस बनाना बहुत कठिन होता है। लाखों छात्र यह सोचने लगते हैं कि उनकी मेहनत कहीं किसी पैसे वाले या प्रभावशाली व्यक्ति के सामने कमजोर तो नहीं पड़ जाएगी। यही डर सबसे बड़ी क्षति है। पेपर लीक का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें केवल एक व्यक्ति शामिल नहीं होता। कई बार पूरा गिरोह सक्रिय होता है। कुछ लोग छात्र तक पहुंचते हैं। कुछ लोग प्रश्नपत्र के स्रोत तक पहुंचते हैं। कुछ पैसे का लेनदेन संभालते हैं। कुछ डिजिटल माध्यमों से प्रश्न फैलाते हैं। कई मामलों में नकली पेपर बेचकर भी ठगी की जाती है। परीक्षा से पहले छात्रों और अभिभावकों की बेचैनी का फायदा उठाया जाता है।

यह भी सच है कि भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव बहुत अधिक है। एक एक सीट के लिए सैकड़ों छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। नीट जैसी परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्र बैठते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें बहुत सीमित हैं। ऐसे माहौल में कुछ लोग गलत रास्ता अपनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब सफलता और असफलता के बीच बहुत बड़ा अंतर हो, तब भ्रष्ट नेटवर्क तेजी से पनपते हैं। सरकारें और परीक्षा एजेंसियां लगातार नई सुरक्षा तकनीकें लाती रही हैं। एन्क्रिप्टेड डिजिटल ट्रांसमिशन, मजबूत पैकेजिंग, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और लाइव मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। लेकिन फिर भी समस्या खत्म नहीं हो रही। इसका कारण यह है कि तकनीक केवल उपकरण है। यदि व्यवस्था में शामिल लोग ईमानदार नहीं हों तो सबसे मजबूत तकनीक भी असफल हो सकती है।

विशेषज्ञ अब कई नए सुझाव दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रश्नपत्र को परीक्षा से केवल कुछ घंटे पहले डिजिटल रूप से केंद्रों तक भेजा जाए। अंतिम समय पर स्थानीय स्तर पर प्रिंटिंग हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जाए। हर चरण का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए। प्रश्नपत्र तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या बेहद सीमित हो। कुछ लोग यह भी मांग कर रहे हैं कि इतनी बड़ी परीक्षाओं का ढांचा बदला जाए। वर्ष में कई बार परीक्षा हो। कंप्यूटर आधारित परीक्षा बढ़ाई जाए। प्रश्न बैंक बहुत बड़ा बनाया जाए ताकि हर छात्र को अलग क्रम में प्रश्न मिलें। इससे लीक की संभावना कम हो सकती है। हालांकि भारत जैसे विशाल देश में यह कार्य आसान नहीं है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी डिजिटल ढांचा कमजोर है।

पेपर लीक का सबसे दुखद प्रभाव मानसिक स्तर पर पड़ता है। लाखों छात्र दिन रात मेहनत करते हैं। कई परिवार अपनी जमा पूंजी कोचिंग और पढ़ाई पर खर्च कर देते हैं। बच्चे सामाजिक जीवन छोड़कर केवल पढ़ाई में लग जाते हैं। ऐसे में जब उन्हें पता चलता है कि कोई व्यक्ति पैसे देकर पेपर खरीद सकता है तो उनके भीतर गहरी निराशा पैदा होती है। कई छात्रों को लगता है कि ईमानदारी से मेहनत करने का क्या फायदा जब व्यवस्था ही कमजोर हो। यह समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में अलग अलग राज्यों की भर्ती परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी पेपर लीक की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे युवाओं में गुस्सा बढ़ा है। बेरोजगारी के बीच परीक्षाओं का रद्द होना और फिर दोबारा परीक्षा होना छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ डालता है। सच्चाई यह है कि पेपर लीक केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि नैतिक विफलता भी है। जब तक व्यवस्था में शामिल लोगों को यह डर नहीं होगा कि पकड़े जाने पर कठोर और त्वरित सजा मिलेगी, तब तक यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। कई मामलों में जांच वर्षों तक चलती रहती है और दोषियों को जल्दी सजा नहीं मिलती। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।

आज जरूरत केवल नई तकनीक की नहीं है, बल्कि भरोसा बहाल करने की है। परीक्षा एजेंसियों को पारदर्शी होना होगा। छात्रों से सच छिपाने के बजाय स्पष्ट जानकारी देनी होगी। शिकायतों की निष्पक्ष जांच करनी होगी। हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी। एक ईमानदार छात्र के लिए सबसे बड़ी ताकत यह विश्वास होता है कि उसकी मेहनत का सही मूल्यांकन होगा। यदि यही भरोसा टूट गया तो देश की पूरी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था संकट में पड़ जाएगी। इसलिए पेपर लीक को केवल अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य पर हमला मानकर देखना होगा। तभी शायद वह दिन आएगा जब परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ा छात्र यह महसूस कर सकेगा कि उसकी मेहनत सचमुच सुरक्षित है। **महेन्द्र तिवारी**

जनजीवन के लिए काल बनती-अवैध बारूदी फैक्ट्रियां

मध्यप्रदेश के देवास जिले के टोंककला ग्राम में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में तीन लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर प्रदेश में अवैध रूप से संचालित बारूद एवं पटाखा फैक्ट्रियों की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की लापरवाही और कमजोर निगरानी व्यवस्था का गंभीर प्रमाण है।

मध्यप्रदेश में इससे पहले भी बारूद फैक्ट्रियों, खदानों में विस्फोट हेतु प्रयुक्त जिलेटिन तथा अन्य विस्फोटक सामग्री के गोदामों और दुकानों में आगजनी एवं हाईटेक तकनीक, सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक निगरानी के दावों के बावजूद आखिर अवैध बारूदी फैक्ट्रियां कस्बों, गांवों और राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास कैसे संचालित हो रही हैं? यदि शासन-प्रशासन वास्तव में सतर्क और जवाबदेह है, तो फिर ऐसे मौत के कारखाने वर्षों तक बिना रोक-टोक कैसे चलते रहते हैं? दुर्भाग्य यह है कि हर बड़े हादसे के बाद प्रशासन कुछ दिनों तक दिखावटी कार्रवाई करता है, जांच समितियां गठित होती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, लेकिन समय बीतते ही सब कुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है।

विस्फोट की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं। पेटलावद विस्फोट का भयावह मंजर आज भी लोगों की स्मृतियों में ताजा है, जिसमें अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए थे। इसके बावजूद प्रदेश के कई नगरों और कस्बों में अवैध बारूदी कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है। परिणामस्वरूप घरों, गोदामों और फैक्ट्रियों में होने वाले विस्फोटों में अब तक सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध रूप से बारूद, पटाखों और विस्फोटक सामग्री का कारोबार फल-फूल रहा है। आए दिन होने वाले विस्फोट यह साबित करते हैं कि प्रशासनिक तंत्र या तो पूरी तरह निष्क्रिय है अथवा ऐसे अवैध कारोबारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति का अभाव है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आधुनिक

नतीजा यह होता है कि मासूम नागरिक बार-बार प्रशासनिक लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर चुकाते हैं। अब समय आ गया है कि राज्य और केंद्र सरकारें इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लें। केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि अवैध बारूदी फैक्ट्रियों, विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण और बिना लाइसेंस संचालित कारोबार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाना चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, घनी आबादी वाले इलाकों तथा नेशनल हाईवे के आसपास संचालित ऐसी फैक्ट्रियों को तत्काल बंद कराया जाना आवश्यक है। जनजीवन की सुरक्षा किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे बारूदी विस्फोट भविष्य में भी निर्दोष लोगों की जिंदगी निगलते रहेंगे।

अरविंद रावल

गर्मी में योग: स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है। गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं। विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है। **कांतिलाल मांडोत**

कविता

संजीव-नी।

विदा हो गई गई
वो सादगी
मिट्टी की सौंधी खुशबू में
चुपचाप मुस्कुरा लिया करती,

जहाँ छोटे-छोटे पल
बरगद की छाँव में
ठंडी सांस लेते
बिना किसी मोह के
होते एक-दूसरे के
सुख-दुःख के भागी ।

अब रिश्तों के आंगन में
धूल सी दिखाई देती ,
भोलापन किस पगडंडी पर
थका हुआ बैठ गया ।

पहले आँखों में अपनापन
बातों में झरनों जैसी निर्मलता,
हृदय में दीपक-सी पावन आंच।
अब मुस्कानों के पीछे
लालच की परछाइयाँ
परिदृश्य में धीरे-धीरे झिलमिलातीं।

कुटिलता के महीन वस्त्र
सच को दिखाई नहीं देते
उसे पहचान नहीं पाता।
पर कहीं न कहीं

ममता की छोटी लौ
अब भी होगी,
माँ की प्रार्थना में,

बच्चे की निर्दोष हँसी में,
किसी वृद्ध बरगद की
घनी,शांत छाया में।
वही बचा सकेगी
शिथिल पलों को,
फिर लौट आएँगे

सादगी के वे नम पंख,
जो कभी मनुष्य को
मनुष्य बनाना जानते ।
संजीव ठाकुर

संजीव ठाकुर

कविता

विश्व परिवार दिवस पर कविता

परिवार है अनमोल खजाना

न छत चाहिए महलों जैसी,
न दौलत का अंबार चाहिए,
माँ की ममता, पिता का साया,
बस ये परिवार चाहिए।
दादा-दादी की कहानियों में,
बचपन फिर से जी लेते हैं,
भाई-बहन की नोक-झोंक में, सारे गम पी लेते हैं।

सुख में हँसते सब मिल-जुलकर,
दुख में सबकी आँख नम हो, एक थाली में खाते सब जब,
तो हर निवाला हमदम हो।

मोबाइल में उलझी दुनिया में,
कुछ पल अपनों के नाम करो,
15 मई का दिन है आया,
परिवार को सलाम करो।

क्योंकि परिवार ही वो मंदिर है,
जहाँ रिश्ते भगवान होते हैं,
खून के नहीं, दिल के रिश्ते से,
यहाँ इंसान महान होते हैं।

डॉ. विवेकानंद उपाध्याय

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है।

जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

विद्यालय में अत्याधुनिक प्रसाधन कक्षों का शुभारंभ

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित श्रीगणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार को अत्याधुनिक प्रसाधन कक्षों का शुभारंभ किया गया। इससे छात्र छात्राओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। विद्यालय प्रबंधक कार्तिकेय शंकर बाजपेई और प्रधानाचार्य अवनीद्र पांडे ने फीता काटकर महिला एवं पुरुष प्रसाधन कक्षों का उद्घाटन किया। विद्यालय में छात्राओं और महिला स्टाफ के लिए अलग प्रसाधन कक्ष बनाए गए हैं। वहीं छात्रों, शिक्षकों और पुरुष कर्मचारियों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। प्रसाधन कक्षों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। प्रधानाचार्य ने बताया कि स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। नियमित साफ सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है। पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बेहतर वेंटिलेशन के लिए एग्जॉस्ट फैन भी लगाए गए हैं। इससे छात्र छात्राओं और स्टाफ को काफी सुविधा मिलेगी।उन्होंने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ खेलकूद और पाठ्य सहगामी गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन और क्रिकेट जैसी खेल गतिविधियों की बेहतर व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर दिलीप द्विवेदी, राकेश मिश्रा, अनूप पांडे, सुजीत कुमार, सुरेश चंद्र मिश्रा, मनीष मिश्रा, राधेश्याम आजाद समेत विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा परिणाम - एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

लालगंज, रायबरेली। क्षेत्र के प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षिक परंपरा को कायम रखते हुए सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12 के परीक्षा परिणाम में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। घोषित परीक्षा परिणाम के अनुसार आभास यादव ने 94.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। रीमा यादव 91.40 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं तथा हिमांशू ने 90.80 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कुल 33 छात्रों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर विशेष योग्यता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। एस.जे.एस. ग्रुप्स आप स्कूल के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह ने इस शानदार सफलता के लिए छात्रों एवं अध्यापकों को बहुत-बहुत बधाई दी। प्रबंधक अग्रज सिंह एवं सह-प्रबंधिका डॉ. अनुश्री सिंह ने इस उत्कृष्ट परिणाम का श्रेय छात्रों की मेहनत और समर्पण को दिया। वहीं प्रधानाचार्या अंजू सिंह ने शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को इस सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

योग से तन-मन दोनों स्वस्थ रहते हैं: योगाचार्य आनंद

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में बुधवार को प्रार्थना सभा के उपरांत एक घंटे का विशेष योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में योगाचार्य आनंद ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न योगाभ्यासों का प्रशिक्षण देकर स्वस्थ जीवन के महत्व से अवगत कराया। योगाचार्य आनंद ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। स्वस्थ शरीर में ही पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ती है तथा स्मरण शक्ति भी तेज होती है। उन्होंने बच्चों को राइटिंग सुधारने, कद वृद्धि और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने से जुड़े उपयोगी योग अभ्यास भी बताए। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम और उद्गीत प्राणायाम सहित कई प्रभावशाली योगाभ्यास किए। योगाचार्य ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनींदेंद्र पांडे ने बताया कि योग शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना है ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। प्रबंधक कार्तिकेय शंकर बाजपेई ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम में अनूप पांडे, जितेंद्र मिश्रा, खेल शिक्षक सुजीत कुमार, विकास कुमार, दीपु दीक्षित, संगीता देवी, खुशबू सिंह, गिरिजा शंकर और सतीश कुमार मिश्रा सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

खैराबाद में पवन सिंह ने फिर फहराया विजय पताका

● उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की इकाई खैराबाद, कसमंडा, पहला व रामपुर मथुरा मे हुआ त्रिवर्षीय निर्वाचन,

शिक्षकों की समस्याओं को हल करना पहली प्राथमिकता:- पवन कुमार सिंह अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर जनपद सीतापुर के सदर ब्लॉक खैराबाद में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न जिसमें 602 मतो मे से पवन सिंह को 338 मत मिले और और उनके निकटतम प्रतिद्वंदी प्रदीप वर्मा को 228 मत मिले जबकि 11 मत अवैध घोषित हुए इस तरह पवन सिंह ने 110 मतों से विजय पताका फहराते हुए ब्लॉक पर अपना कब्ज़ा जमाया इससे पूर्व 2020 में उन्होंने सुशील गुप्त को चुनाव हराया था उस समय प्रदीप वर्मा ब्लॉक के मंत्री थे इस बार वो अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे थे और सुशील गुप्त उन्हें चुनाव लड़ा रहे थे। चुनाव पर्यवेक्षक/ चुनाव अधिकारी महेंद्र पांडे, महेश पाल सिंह , ज्ञान प्रकाश, सुबोध तिवारी ने पवन सिंह को 110 मतो से विजयी घोषित किया। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने मतदान किया व पवन सिंह को जीत की शुभकामनाएं व बधाई दी जीत की बधाई देने वालों में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित,प्रवक्ता मनीष पांडेय,जिला अध्यक्ष राम चंद्र मिश्र,मंत्री रण विजय सिंह ब्लॉक अध्यक्ष नरेश मिश्र मंत्री ज़हीर आलम वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन, अमित त्रिपाठी, योगेन्द्र पांडेय,पीर मोहम्मद,सरिता रानी वर्मा, साबरुननिसा, हसन जमाल रिज़वी, जमशेद आलम, अरशद इकबाल बब्बू, मोहम्मद जुनेद,सौरभ जायसवाल, अनुभूति सिंह, सुरेन्द्र कुमार, अंजू राजवंशी, नसरीन बानो, अर्पित निगम भानु प्रताप सिंह, अरविंद मिश्रा, कीर्ति श्रीवास्तव, संतोष कुमार मिश्र,राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवा निवृत पूर्व व्यायाम शिक्षक अशोक कुमार प्रजापति फ़ैज़ुल हसन,एजाज़ अहमद,मुदित पाण्डेय, सैय्यद इश्तियाक अली,शशी शुक्ला आरफा खातून हुदा अमरीन आदि प्रमुख हैं

कसमण्डा कसमंडा ब्लॉक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के चुनाव में गिरिजेश अवस्थी छठी बार अध्यक्ष चुने गए खास बात यह है कि श्री अवस्थी दूसरी बार निर्विरोध बने अध्यक्ष। पर्यवेक्षक - जिला संयुक्त मंत्री पुनीत कुमार शुक्ल जीतू द्वारा सौंपा गया निर्वाचन प्रमाणपत्र चुनाव अधिकारी जिला कार्यसमिति से पवन त्रिपाठी, अलका दीक्षित एवं पिसावा मंत्री राधेश्याम ने सम्पन्न कराया।

पहला ब्लॉक पहला ब्लॉक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के चुनाव में अजय वर्मा ने चुनाव जीता।यहां पर 554 मत पड़े जिसमें से अजय वर्मा को 331 मत मिले वह विनय कुमार सिंह को 223 मत मिले। चुनाव अधिकारी नवीन श्रीवास्तव, अश्विनी सिंह ,जमील अहमद खान, उमेश वर्मा ने अजय वर्मा को 108 मतों से विजई घोषित किया।

रामपुर मथुरा उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रामपुर मथुरा ब्लॉक का निर्वाचन सम्पन्न, 141 मतों के अंतर से जंगबहादुर यादव विजयी। कुल 596 मतों में से जंग बहादुर यादव को 368 और विनय कुमार सिंह 227 मत प्राप्त हुए।

पर्यवेक्षक के रूप में जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद अवस्थी , चुनाव अधिकारी के रूप में जिला संगठन मंत्री अबू लईक,बिसवां ब्लॉक अध्यक्ष सुनील वाजपेयी और महमूदाबाद ब्लॉक मंत्री ज्ञानेश मिश्र चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई।

मलिहाबाद में बेखौफ लकड़ी तस्कर: वन विभाग की नाक के नीचे उजड़ रही ग्रीन बेल्ट

● .....प्रतिबंधित आम के बागों पर चल रही आरी, रातों-रात काटे गए हरे-भरे पेड़; मिलीभगत के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में वन विभाग की कथित मिलीभगत से ग्रीन बेल्ट की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। क्षेत्र में प्रतिबंधित आम की लकड़ी का अवैध कटान धड़ल्ले से जारी है, जबकि प्रशासनिक सख्ती के दावे हवा साबित हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार मलिहाबाद वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की सांठगांठ से आम के बागों को अवैध तरीके से उजाड़ा जा रहा है। बीती रात पंचायत बिराहिमपुर में फलदार व छायादार हरे-भरे दूधाधारी पेड़ों पर मशीनें चला दी गई और पूरी बाग को रातों-रात काटकर साफ कर दिया गया। लकड़ियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से उठा ले जाया गया, वहीं पेड़ों के ठूंठों को जेसीबी से खोदकर खेत को जोत दिया गया ताकि अवैध कटान के निशान तक मिटाए जा सकें। गौरतलब है कि मलिहाबाद अपनी विश्व प्रसिद्ध आम की उपज के लिए देश-विदेश में पहचान रखता है, ऐसे में लगातार हो रहे बागों के विनाश से पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

ऑल इंडिया पुलिस बैडमिंटन चौंपियनशिप मे राजकुमार सिंह का शानदार प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ऑल इंडिया पुलिस बैडमिंटन चौंपियनशिप 2025-26 जो इस वर्ष उत्तर प्रदेश लखनऊ में दिनांक 09 से 13 मई तक आयोजित हुई है, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस टीम की ओर से खेलते हुए राजकुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक अपराध (ई0ओ0डब्लू0) लखनऊ द्वारा मिक्स डबल्स एवं बैटरन पुरुष डबल्स इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुये दो (02)- ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए गये, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 एवं उत्तर प्रदेश खेल सचिव सुहास एल वाई (आई0ए0एस0) द्वारा राजकुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, ई0ओ0डब्लू0 को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। मेडल जीत कर राजकुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाया है, इससे पूर्व राजकुमार सिंह द्वारा वर्ष 2017 में इसी प्रतियोगिता में कोच्चि केरल में मिक्स्ड डबल्स इवेंट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया था, राजपत्रित श्रेणी में यह खिताब उत्तर प्रदेश में अभी तक केवल राजकुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक के नाम दर्ज है, इसके अतिरिक्त राजकुमार सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश में एक दर्जन से अधिक गोल्ड मेडल हासिल किए जा चुके हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक, ई0ओ0डब्लू0 द्वारा पुनः मेडल पहनाकर राजकुमार सिंह, को बधाई देते हुये उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

तेज आंधी में रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर क्षतिग्रस्त

लालगंज (रायबरेली)। बुधवार को आए तेज आंधी तूफान का असर रेलवे क्रॉसिंगों पर भी देखने को मिला। रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग गेट संख्या 71 बी का ऑटोमेटिक बैरियर झूलकर लटक गया। तेज हवा के कारण बैरियर का बूम क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा गेट संख्या 72 बी पर भी आंधी के चलते तकनीकी गड़बड़ी आ गई थी। सूचना मिलने पर रेलवे के सिग्नल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कराया। स्टेशन अधीक्षक शंभूनाथ सोनकर ने बताया कि तेज हवा से बैरियर प्रभावित हुआ था। दोनों क्रॉसिंगों पर मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना के बावजूद ट्रेनों का संचालन सामान्य रहा और परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

मलिहाबाद:पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग तेज

● मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग तेज होती जा रही है। इसी क्रम में लखनऊ के माल ब्लॉक प्रधान संघ की अध्यक्ष संगीता सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन मलिहाबाद तहसील पहुंचकर एसडीएम अंकित कुमार को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग उठाई है। संगीता सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों का कार्यकाल मई और जुलाई 2026 में समाप्त होने जा रहा है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समय पर पंचायत चुनाव कराना संभव नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्दबाजी में चुनाव कराए गए तो कई प्रशासनिक और कानूनी परेशानियां सामने आ सकती हैं। ज्ञापन में चुनाव में देरी के पीछे कई महत्वपूर्ण कारणों का उल्लेख किया गया है। इनमें मतदाता सूची के पुनरीक्षण में हो रही देरी, समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न होना और सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' की प्रक्रिया पूरी न होना प्रमुख बताया गया है। उनका कहना है कि इन सभी कारणों से पंचायत चुनाव प्रभावित हो सकते हैं और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर भी असर पड़ सकता है। संगीता सिंह चौहान ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्थानीय निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर प्रशासकों की नियुक्ति को केवल अस्थायी व्यवस्था माना है। ऐसे में पंचायतों में लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वर्तमान निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाया जाना आवश्यक है। उन्होंने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि विशेष परिस्थितियों में वहां निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को ही प्रशासनिक दायित्व सौंपे गए हैं। इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाकर ग्रामीण विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखी जा सकती है।प्रधान संघ अध्यक्ष का कहना है कि यदि पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाया जाता है तो इससे ग्रामीण जनता का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा गांवों में चल रहे विकास कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी। इस दौरान माल ब्लॉक के दर्जनों प्रधान भी मौजूद रहे और उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यकाल बढ़ाने की मांग का समर्थन किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार से इस विषय पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में कन्या भारती शपथ ग्रहण समारोह

● भारती शपथ ग्रहण समारोह उत्साह, गरिमा एवं अनुशासन पूर्ण वातावरण में हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर- सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, पुरवारी टोला में गुरुवार को कन्या भारती शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह, गरिमा एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती रजनी गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय की व्यवस्थापिका किरन सिंघल, उपाध्यक्षा शांति शर्मा, सदस्या मानसी, श्वेता अरोरा, राम प्रताप तथा सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य मिथिलेश तिवारी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रतिभा श्रीवास्तव ने कन्या भारती गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी एवं टीम भावना जैसे गुणों का विकास करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में बालिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना आवश्यक है। समारोह में कन्या भारती की विभिन्न पदाधिकारी छात्राओं को दायित्व सौंपे गए। अध्यक्ष पद पर मान्या यादव, उपाध्यक्षा साक्षी अवस्थी, मंत्री अमृता वर्मा, सहमंत्री राखी यादव, सेनानायिका पल्लवी कश्यप तथा सहसेनानायिका जानवी कश्यप को मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य विभिन्न विभागों की प्रमुख एवं सहप्रमुख छात्राओं को भी दायित्व प्रदान किए गए। सभी छात्राओं को कार्ड एवं बैच प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की उपाध्यक्षा श्रीमती शांति शर्मा द्वारा विद्यालय प्रबंधन को उपहार भेंट किए गए, वहीं विद्यालय की ओर से प्रबंध समिति की सभी बहनों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

मिश्रिख में शुभ सोलर पैनल दुकान का भव्य उद्घाटन

मिश्रिख (सीतापुर)- मिश्रिख कस्बे के परिक्रमा मार्ग स्थित हनुमान मंदिर के बगल एवं तहसील परिसर के पीछे 'शुभ सोलर पैनल' दुकान का भव्य उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव द्वारा फीता काटकर किया गया। यह दुकान ग्राम ढखिया नेवदिया निवासी युवा उद्यमी शुभम त्रिवेदी द्वारा खोली गई है। उद्घाटन अवसर पर विधायक ने कहा कि आज के समय में सोलर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ बिजली बचत का भी बेहतर माध्यम बन रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सोलर उपकरणों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों को काफी लाभ मिलेगा। दुकान संचालक शुभम त्रिवेदी ने बताया कि उनकी दुकान पर घरों, दुकानों एवं कृषि कार्यों के लिए विभिन्न प्रकार के सोलर पैनल एवं संबंधित उपकरण उपलब्ध रहेंगे, जिससे आसपास के लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उद्घाटन कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के सम्मान में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर- विकास खंड बिसवां सभागार में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के सम्मान में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अरुणा मिश्रा, सिद्धेश श्रीवास्तव, चंद्रकली, शिव कुमारी, तपेश्वरी अवस्थी, नीलम सिंह, सुशीला देवी, कमलावती, विभा देवी, कमला शुक्ला तथा मुख्य सेविका निर्मला को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में उनकी दीर्घकालिक सेवाओं, बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की गई। बाल विकास परियोजना अधिकारी हरीश मौर्य ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां समाज में बच्चों और महिलाओं के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कार्यकत्रियों को 'मां यशोदा' की संज्ञा देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण, संस्कार एवं अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने में उनकी अहम भूमिका रही है। समारोह में मुख्य सेविकाएं सुहैला अख्तर, बीना वर्मा, बिंदेश्वरी, शीतल, शिखा, शशि वर्मा, प्रियांशी एवं सविता ने सेवानिवृत्त कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के अनुभवों और सेवाओं को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। इस दौरान सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में मंजू सिंह, संगीता, सोनी, श्याम सुंदरी, आयशा खातून, अराधना, शैल कुमारी, आकांक्षा सिंह सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी बोर्ड के मेधावियों का सम्मान

● एसडीएम व सीओ ने दिए पुरस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में श्रीमती विमला देवी जायसवाल सेवा संस्थान द्वारा गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था के प्रबंधक पंकज जायसवाल के आवास पर संपन्न हुआ, जहां उप जिलाधिकारी डॉ. अंजलि सिंह एवं क्षेत्राधिकारी वेद प्रकाश ने मेधावी विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह में कुल 9 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन के 3, सरदार सिंह कॉन्वेंट स्कूल के 2, श्री महावीर प्रसाद मेमोरियल शिक्षण संस्थान के 2 तथा विमला देवी मेमोरियल संस्था के 2 छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। मेधावियों को सम्मानित करने से अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलती है और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनता है। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक लालता प्रसाद, अध्यक्ष ललित श्रीवास्तव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख ओंकार नाथ, अजय वर्मा, वागीश दिनकर, कृतार्थ मिश्र, आसिफ सईद, मो. आजाद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

CM Yogi ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात, कहा- बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार

दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की। गृह मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। मुलाकात के बाद सीएम योगी ने अपने एक्स हैंडल से लिखा कि अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार।

महमूदाबाद में पत्रकारों का संगम, नई कार्यकारिणी घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज का वह आईना है जो कठिन परिस्थितियों में भी सच को सामने लाने का साहस रखता है। इसी उद्देश्य और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने के संकल्प के साथ कस्बा महमूदाबाद के रामकुंड चौराहे स्थित वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार जैन के प्रतिष्ठान पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट प्रेस यूनियन की तहसील स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रथम चरण में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरानी कार्यकारिणी को सर्वसम्मति से भंग किया गया। इसके बाद संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उपस्थित पत्रकारों ने संगठन की एकता, आपसी भाईचारे और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता अनेक चुनौतियों से गुजर रही है और इन परिस्थितियों का सामना केवल संगठनात्मक एकजुटता से ही किया जा सकता है। सभी सदस्यों ने पत्रकारों की आवाज को मजबूती देने और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने पर बल दिया। नई कार्यकारिणी में परम संरक्षक पद पर संतोष पाण्डेय, संरक्षक चक्र सुदर्शन पाण्डेय, अध्यक्ष अनुज कुमार जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज जायसवाल, जितेन्द्र कुमार वर्मा, विपिन पाण्डेय एवं दानिश हाशमी, महामंत्री राम निवास गुप्ता, कोषाध्यक्ष मो. आरिफ खान, संयुक्त सचिव गौरव पाण्डेय, संगठन मंत्री आदित्य कुमार वर्मा, प्रचार मंत्री ढिल्लन वारसी, मंत्री इकराम अंसारी तथा विधिक सलाहकार एडवोकेट अनिल कुमार श्रीवास्तव को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं रोहित मिश्रा, रोहित सोनी, विकास त्रिपाठी, राजेन्द्र प्रसाद, अनिल कुमार, मो. कदीर एवं शिव कुमार को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक के समापन पर नवनियुक्त अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उपस्थित पत्रकारों ने विश्वास जताया कि नई टीम पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र में पत्रकारिता के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

संक्षिप्त खबरें

झगड़े के दौरान आपा खो बैठा पति, पत्नी को दे दिया छत से धक्का; अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

फिरोजाबाद। झगड़े के दौरान पति द्वारा छत से धक्का देकर फेंकी गई महिला की बुधवार रात आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घटना खैरगढ़ के गांव सिरमई में शनिवार शाम की थी। मामले में पुलिस आरोपित पति को दो दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मक्खनपुर में गांव नगला वाजदार निवासी 25 वर्षीय नीतू की शादी तीन वर्ष पूर्व खैरगढ़ में गांव सिरमई निवासी राहुल के साथ हुई थी। राहुल चूड़ी मजदूर है। उनके एक डेढ़ वर्ष का बेटा अंशुमान है। शनिवार को पति-पत्नी में घरेलू बात को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में राहुल ने पत्नी को छत से नीचे धक्का देकर गिरा दिया। नीतू के भाई सोनू ने बताया कि घटना के राहुल ने मां कमलेश को फोनकर बताया था कि तुम्हारी बेटी को छत से गिराकर मार दिया है। आकर उसे ले जाओ। इस पर स्वजन पहुंचे। गंभीर हालत में नीतू को सरकारी ट्रामा सेंटर ले आए। यहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने आगरा रेफर कर दिया था। एसएन मेडिकल कालेज में बुधवार रात उपचार के दौरान नीतू की मृत्यु हो गई। वहीं, इस मामले में घटना के दूसरे दिन चाचा सर्वेश ने पति राहुल के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। खैरगढ़ पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास की धारा में जेल भेज दिया था। इंस्पेक्टर प्रेम सिंह ने बताया कि दो दिन पहले पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामले में पीएम रिपोर्ट के आधार हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी।

'रॉबर्ट वाड्रा ने याचिका में दिए झूठे बयान', ईडी का दिल्ली हाई कोर्ट में बड़ा दावा

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रायल कोर्ट के समन को चुनौती देने वाली उद्यमी रॉबर्ट वाड्रा की याचिका का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट में विरोध किया है। ईडी ने अदालत को बताया कि रॉबर्ट वाड्रा ने अपनी उस याचिका में झूठे और गलत बयान दिए हैं। ईडी ने कहा कि वाड्रा की याचिका जुर्माने के साथ खारिज होनी चाहिए। ईडी ने कहा कि वाड्रा ने याचिका में पूरी तरह से झूठी दलीलें दी गई हैं और आईपीसी की धारा 467 पीएमएलए अनुसूची में शुरू से ही मौजूद थी।

ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत

रॉबर्ट वाड्रा ने दलील दी कि इसमें कोई गैर-कानूनी काम शामिल नहीं था और यह लेन-देन पूरी तरह से व्यावसायिक प्रकृति का था। वाड्रा ने अपनी याचिका में कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत है और इसे रद किया जाना चाहिए। इस मामले में जुलाई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपपत्र दाखिल किया था और इसके बाद अदालत ने इसका संज्ञान लिया था। अदालत ने रॉबर्ट वाड्रा को 16 मई को पेश होने का आदेश दिया है।

IPL के इतिहास में विराट कोहली का धमाका, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जड़ा ऐतिहासिक शतक

● विराट कोहली ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 105 रन की नाबाद पारी खेलकर आईपीएल में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। वह रन चेज में सर्वाधिक (3) शतक लगाने वाले जोस बटलर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर आ गए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में विराट कोहली ने न केवल अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि आईपीएल के इतिहास में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जिसे छूना किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए एक सपना जैसा है।

विराट कोहली बने IPL में ये कारनामा करने वाले पहले भारतीय

दरअसल, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास में रन चेज करते हुए सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में इंग्लैंड के जोस बटलर की बराबरी कर ली है। विराट ने ये रिकॉर्ड कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बनाया, जहां उन्होंने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और 3 छक्के निकले और उनका स्ट्राइक रेट 175.00 रहा। रन चेज में ये विराट का तीसरा IPL शतक है और अब वो बटलर के साथ टॉप पर आ गए हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट ने 138 मैचों की 131 पारियों में 42.42 की औसत और 136.42 के स्ट्राइक रेट से 4285 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 3 शतक और 29 अर्धशतक हैंऔर उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 108 रन है। सफल रन चेज में विराट ने 76 मैचों की 70 पारियों में 63.27 की औसत और 142.69 के स्ट्राइक रेट से 2784 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 3 शतक और 20 अर्धशतक निकले हैं, और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 108 रन है। विराट RCB के लिए बड़े रन चेज में सबसे बड़े मैच विनर रहे हैं।

IPL इतिहास में RCB के 6 सबसे बड़े सफल रन चेज में विराट ने अहम रन बनाए हैं-

228 1s LSG, लखनऊ, 2025 - कोहली 54(30)

206 1s GT, बेंगलुरु, 2026 - कोहली 81(44)

204 1s KXIP, बेंगलुरु, 2010 - कोहली 16(12)

202 1s SRH, बेंगलुरु, 2026 - कोहली 69(38)

201 1s GT, अहमदाबाद, 2024 - कोहली 70(44)

193 1s KKR, रायपुर, 2026 - कोहली 105(60)

इन 6 पारियों में उन्होंने 197.50 की औसत और 173 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 395 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक

और चार अर्धशतक शामिल हैं।इसके साथ ही विराट ने भारतीय खिलाड़ियों में IPL में सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड के मामले में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली है। दोनों के नाम 21-21 अवॉर्ड हैं। वो 10 T20 शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

विराट ने IPL 2026 की रन-लिस्ट में बड़ी छलांग लगाई है। वो ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। विराट ने 12 मैचों की 12 पारियों में 53.77 की औसत और 165.75 के स्ट्राइक रेट से 484 रन बना लिए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

होर्मुज के पास गुजरात के एक और जहाज पर हमला, समुद्र में डूबा 'हाजी अली'

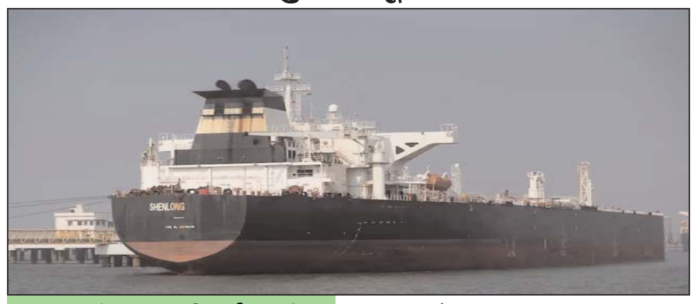

● सभी 14 क्रू मेंबर्स सुरक्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी तनातनी के बीच होर्मुज स्ट्रेट से सटे ओमान तट पर गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया। हाजी अली' नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, इसी दौरान उसपर ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार से हमला किया गया, हमले के बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि, ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया। भारत ने बुधवार को ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक बयान अनुसार, बुधवार (13 मई) को ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुआ हमला किसी भी हालत में मंजूर नहीं है.। हम इस बात की निंदा करते हैं कि व्यावसायिक जहाजों और आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। वहीं, विदेश मंत्रालय ने सभी भारतीय चालक दल के सुरक्षित होने की पुष्टि करते हुए ओमानी अधिकारियों का आभार जताते हुए लिखा, 'जहाज पर सवार भारतीय क्रू सुरक्षित हैं और हम उन्हें बचाने के लिए ओमानी अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं।

ट्रांसफर होते ही भड़का संविदा कर्मचारी, गुस्से में काट दी पूरे इलाके की बिजली

● ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में ट्रांसफर से नाराज एक संविदा कर्मचारी पर शराब के नशे में फीडर बंद कर कई गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित करने का आरोप लगा है. घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली केंद्र पर हंगामा किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 32 स्थित बिजली केंद्र पर देर रात उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक संविदा कर्मचारी ने अपने ट्रांसफर से नाराज होकर पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित कर दी. आरोप है कि कर्मचारी शराब के नशे में उपकेंद्र पहुंचा और फीडर बंद कर दिया, जिससे कई गांवों की बिजली करीब 3 घंटे तक बाधित रही. मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, दनकौर के एसडीओ अजय गुप्ता द्वारा संविदा कर्मचारी सुरजीत का ट्रांसफर किया गया था. ट्रांसफर के बाद कर्मचारी नाराज चल रहा था. आरोप है कि बुधवार देर रात सुरजीत शराब के नशे में बिजली उपकरण केंद्र पहुंचा और गुस्से में फीडर बंद कर दिया। इस वजह से तनेजा, वीरामपुर, मुरादगढ़ी, नगला हुकुम सिंह, नगला जहून, नगला भनौता और तीर्थली समेत कई गांवों की बिजली आपूर्ति अचानक बाधित हो गई।

तीन घंटे तक अंधेरे में डूबे गांव

पूरे गांवों में रात करीब 11 बजे तक बिजली सप्लाई प्रभावित रही. अचानक बिजली कटने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई. गर्मी के बीच बिजली गुल होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण बड़ी संख्या में बिजली उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया. लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की. बिजली कटौती की सूचना फैलते ही उपकेंद्र पर काफी देर तक

अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बना रहा। ग्रामीणों का आरोप था कि व्यक्तिगत विवाद का खामियाजा पूरे इलाके के लोगों को भुगतना पड़ा. वायरल वीडियो में भी बिजली केंद्र के बाहर लोगों की भीड़ और हंगामे जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। रात करीब 11 बजे सूचना मिलने पर पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए बिजली आपूर्ति दोबारा शुरू कराई और ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि बिजली घर पर हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी. बिजली आपूर्ति सुचारू कराकर ग्रामीणों को समझा-बुझाकर वापस भेज दिया गया. वहीं, विभागीय स्तर पर अब मामले की जांच की जा रही है।

हाथ जोड़कर गुजारिश करती हूं कि...तलाक की खबरों पर मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी

● मौनी रॉय और सूरज नांबियार की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो कपल 6 महीने पहले ही अलग हो गया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टीवी और फिल्म एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों अपने निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं. कुछ वक्त पहले पता चला कि उन्होंने अपने पति सूरज नांबियार को इंस्टाग्राम पर अनफोलो कर दिया है. उनके पति सूरज ने भी उन्हें अनफोलो किया हुआ है. इन सब के बीच दोनों के रिश्तों में खटास की चर्चा होने लगी. कहा यहां तक जाने लगा कि मौनी और सूरज की शादी टूट रही है. इन तमाम कयासों और रिपोर्ट्स के बीच अब मौनी रॉय

ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना रिएक्शन दिया है।मौनी रॉय और सूरज की शादी करीब 4 साल पहले हुई थी. दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर किया करते थे। पर दोनों ने जब सोशल मीडिया पर ही एक दूसरे को अनफोलो कर दिया, तो रिश्ते बिगड़ने की चर्चा आम हो गई। सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह की बातें लिखने लगे. इस बीच मंगलवार को सूरज नांबियार ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट ही डिलीट कर दिया. रिश्ते खराब होने की चर्चा जब अपने चरम पर पहुंची तो मौनी का बयान सामने आया है।

मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी

मौनी रॉय ने बुधवार दोपहर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर हाथ जोड़ने की इमोजी के साथ लिखा, 'तमाम मीडिया हाउसेस से विनम्र निवेदन है कि झूठी बातें न छापें और हमें स्पेस और प्राइवेसी दें.' इसके साथ ही उन्होंने हाथ जोड़ कर प्लीज़ भी लिखा है. यानी मौनी नहीं चाहतीं कि किसी भी बात को कंफर्म किए बिना कुछ लिखा या छापा जाए।

मांग का सिंदूर सूखने से पहले ही उजड़ा सुहाग! तेज रफ्तार डंपर ने ली नवविवाहित की जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के भगतपुर इलाके में एक भीषण सड़क हादसे ने हंसते-खेलते परिवार को कभी न भूलने वाला जख्म दे दिया है. उधौपुरा पूर्वी के रहने वाले 24 वर्षीय युवक दीपू, जो इलाके की एक बियर शॉप पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत था, तेज रफ्तार डंपर का शिकार हो गया। सड़क हादसा उस वक्त हुआ, जब दीपू अपनी ड्यूटी खत्म कर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से निकला था. अभी महज 15 दिन पहले ही उसके सिर पर सेहरा सजा था और घर में नई नवेली दुल्हन के आगमन का जश्न मनाया जा रहा था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। चक कचनाल मोड़ के पास हुए इस एक्सीडेंट में टक्कर इतनी जोरदार थी कि दीपू गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे तुरंत भोजपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तीन भाइयों में सबसे छोटा दीपू अपने परिवार का लाडला था. उसकी असमय मृत्यु की खबर सुनते ही पत्नी गुड्डी और मां ऊषा देवी सदमे में हैं और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है. खुशियों वाले घर में अब केवल चीख-पुकार और सिसकियां सुनाई दे रही हैं।

पुलिस ने जांच शुरू की

मृतक दीपू के पिता नवल किशोर ने पुलिस को दी अपनी तहरीर में बताया कि उनका बेटा शादी में जाने के लिए दुकान से निकला था. वह अपनी बाइक से एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया पिता ने अपनी शिकायत में डंपर चालक की लापरवाही को इस हादसे की मुख्य वजह बताया है. पिता का कहना है कि उनके बेटे की दुनिया बस अभी शुरू ही हुई थी, लेकिन एक बेकाबू वाहन ने सब कुछ उजाड़ दिया. परिवार ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी और का घर इस तरह न उजड़े. पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए कानूनी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

डंपर चालक की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू

भगतपुर पुलिस ने सड़क हादसे के मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच दल गठित किया. पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य सूचना तंत्रों की मदद से फरार डंपर की पहचान कर उसे अपने कब्जे में ले लिया।

सबाही मकतब प्रतियोगी परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित

● डिमापुर की मासूमा बेगम ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, क्षेत्र में खुशी का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: डिमापुर, 14 मई: उत्तर-पूर्व भारत एमआरतेए शरियाह और नदवातुततामीर द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की 'सबाही मकतब प्रतियोगी फाइनल परीक्षा' का परिणाम गत 12 मई (सोमवार) को शिक्षा बोर्ड बदरपुर नदवा के केंद्रीय कार्यालय से आधिकारिक रूप से घोषित किया गया। इस वर्ष आयोजित परीक्षा में उत्तर-पूर्व भारत के विभिन्न राज्यों के 1415 परीक्षा केंद्रों से कुल 7744 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इनमें से 7374 छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए। प्रथम श्रेणी में 5264, द्वितीय श्रेणी में 1629 तथा तृतीय श्रेणी में 481 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परीक्षा का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत लगभग 95.2 प्रतिशत रहा। घोषित परिणाम में नागालैंड के डिमापुर स्थित 3 माइल तैय्यिबियाह मस्जिद मकतब की छात्रा मासूमा बेगम तथा नगांव जिले के केंदुगुड़ी मकतब की छात्रा रसिना बेगम ने संयुक्त रूप से उत्तर-

पूर्व भारत में दसवां स्थान प्राप्त किया। मासूमा की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे 3 माइल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय व्यवसायी एवं पूर्व छात्र नेता फरीद उद्दीन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और इमाम साहब के ईमानदार प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक की सहायता से शिक्षा बोर्ड ने शीघ्र परिणाम प्रकाशित किया, जिससे छात्र-छात्राएं घर बैठे वेबसाइट और मोबाइल नंबर के माध्यम से अपना परिणाम देख सके। परिणाम घोषित होने के बाद तीन माइल क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। मकतब के सभी परीक्षार्थियों ने अच्छे अंकों के साथ सफलता हासिल की। वहीं, पूरे नागालैंड में शीर्ष स्थान तथा उत्तर-पूर्व भारत में संयुक्त रूप से दसवां स्थान प्राप्त कर मासूमा बेगम ने क्षेत्र का नाम रोशन किया। जानकारी के अनुसार, मासूमा बेगम स्थानीय निवासी महबत अली की पुत्री हैं। उनकी इस शानदार सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें और उनके पिता को फूलाम गमछा, उपहार सामग्री एवं शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हसन अहमद, अलीम उद्दीन, हुसैन मास्टर, सलीम उद्दीन, साहाब उद्दीन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और शुभकामनाएं उपस्थित रहे। सभी ने मासूमा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी उपलब्धि को पूरे क्षेत्र का गौरव बताया।

दिल्ली की सातों जिला अदालत में हड़ताल पर वकील

दक्षिणी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सभी जिला अदालतों में बृहस्पतिवार को वकील हड़ताल पर हैं। दिल्ली में कुल सात जिला अदालतें हैं–साकेत, पटियाला हाउस कोर्ट, राउज एवेन्यू, कड़कड़डूमा, तीस हजारी, द्वारका और रोहिणी। इन सभी में आज वकील अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं।

इन अदालतों में हजारों वकील प्रैक्टिस करते हैं और लाखों केस पेंडिंग हैं। वकीलों का कहना है कि हड़ताल दो मुख्य मुद्दों को लेकर की गई है।

क्या है दो मुख्य मुद्दे

1. सिविल मामलों का आर्थिक क्षेत्राधिकार बढ़ाने की मांग
2. हाईकोर्ट के निर्णयों में जिला अदालत प्रतिनिधियों की भागीदारी

अब बड़े पापा की भूमिका में सक्रिय हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव

● बैकुंठ धाम पर प्रतीक यादव की पुत्रियों को संभाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ा रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कंधों पर अब एक और बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। इस जिम्मेदारी को उन्होंने संभाल भी लिया है। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के बुधवार को निधन के बाद गुरुवार को लखनऊ के बैकुंठ धाम पर उनकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान धाम पर मौजूद अखिलेश यादव ने प्रतीक की पुत्रियों को संबल प्रदान किया। प्रतीक व अपर्णा यादव की दो बेटियां प्रथमा यादव व प्रतीक्षा यादव बैकुंठ धाम पर मौजूद थीं। छोटी बेटी प्रतीक्षा यादव अधिकांश समय तक अखिलेश यादव के साथ ही रही। अखिलेश यादव भी प्रतीक यादव के अंतिम संस्कार के समय भतीजी प्रतीक्षा को संभालते दिखे। उन्होंने प्रतीक्षा को चॉकलेट भी दी और जब उससे चॉकलेट

का रैपर नहीं खुला तो उसको खोला। उस समय का एक भावुक वीडियो भी सामने आया है।

बेटियों को संभालते नजर आए बड़े पापा अखिलेश

अपर्णा यादव के पिता अरविंद सिंह बिष्ट ने प्रतीक यादव को मुखाग्नि दी। प्रतीक के अंतिम संस्कार के समय अखिलेश यादव समेत परिवार के सभी सदस्य भावुक हो उठे। इसी दौरान अखिलेश यादव ही प्रतीक यादव की मासूम बेटियों को संभलाते भी नजर आए। प्रतीक यादव की दो बेटियां हैं, जिनमें छोटी बेटी काफी देर तक अपने ताऊ अखिलेश के साथ बैठी रही। इस मुश्किल घड़ी में अखिलेश लगातार दोनों बच्चियों को संभालते नजर आए। अखिलेश ने प्रतीक की छोटी बेटी प्रतीक्षा को चॉकलेट दी और जब बच्ची से चॉकलेट नहीं खुल पाई तो अखिलेश ने अपने हाथों से उसे खोलकर दिया। दोनों बच्चियों को देखकर वह भावुक भी नजर आए, लेकिन ताऊ होने का फर्ज निभाते उन्होंने पूरे समय उन्हें संभाला। जिस समय घर पर प्रतीक यादव की तबीयत खराब हुई थी, उस वक्त दोनों बेटियां भी घर पर ही मौजूद थीं। उनकी पत्नी अपर्णा उस समय लखनऊ में नहीं थीं।

दुख इस घड़ी में बड़े पापा के साथ

जिंदगी कितना भी दर्द दे, मुस्कुराना पड़ता है, जीना पड़ता है। इन मासूमों पर कभी कोई आंच न आए।

जस्टिस स्वर्ण कांता बोलीं- चुप नहीं रह सकती, अपमानजनक आरोप लगाने वालों के खिलाफ शुरू करूंगी अवमानना की कार्यवाही

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई की अपील याचिका पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित दो अन्य की तरफ से एमिकस क्यूरी नियुक्त करने को लेकर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ मानहानिकारक, अपमानजनक और अवमाननापूर्ण आरोपों लगाने वाले प्रतिवादियों के खिलाफ अदालत ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का फैसला किया है। न्यायमूर्ति शर्मा ने मामले पर सुनवाई शुरू करने से पहले कहा कि इस पर चुप नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा कि अदालत ने कुछ प्रतिवादियों और अन्य अवमानना करने वालों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का फैसला किया है। इस संबंध में आदेश पारित किया जाएगा। बता दें कि मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने के बाद अदालत ने केजरीवाल, सिसोदिया सहित एक अन्य के खिलाफ एमिकस क्यूरी नियुक्त करने का निर्णय लिया था।

असम यूनिवर्सिटी द्वारा आतिथ्य एवं पर्यटन पाठ्यक्रमों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- शिलचर, 14 मई: Assam University के हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग द्वारा हैलाकांडी जिले में विभाग के रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एक जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आतिथ्य एवं पर्यटन उद्योग में बढ़ती संभावनाओं के प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जागरूक करना तथा जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ बनाना था। इस अभियान का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजीव कुमार सक्सेना ने किया। उनके साथ विभाग के शिक्षक डॉ. सौमेंद्र नाथ विश्वास तथा शोधार्थी दीपज्योति बोरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। दौरे के दौरान टीम ने जिले के विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों से मुलाकात कर वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक एवं रोजगारपरक परिवेश में आतिथ्य एवं पर्यटन शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही देश-विदेश में उपलब्ध रोजगार अवसरों की विस्तृत

जानकारी भी साझा की गई। टीम ने कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षकों को विभाग की आधुनिक आधारभूत संरचना, शैक्षणिक सुविधाओं तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं से भी अवगत कराया। संबंधित शिक्षकों ने आश्वासन दिया कि वे विद्यार्थियों के बीच इन पाठ्यक्रमों एवं उनसे जुड़े रोजगार अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। प्रचार अभियान के अंतर्गत टीम ने जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का दौरा किया तथा Srikrishna Sarda College के डॉ. रतन कुमार, Lala Rural College के आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. एन.जी. दयामय सिंह तथा S.K. Roy College के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजेन सिंह से

भेंट की। कॉलेज प्रशासन ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में रोजगार एवं पेशेवर विकास के लिए आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया। विभागाध्यक्ष प्रो. सक्सेना ने बताया कि इस जागरूकता अभियान को सभी शिक्षण संस्थानों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।